भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
26.11.2014 को लोक सभा में
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 620

यूरेनियम और थोरियम की खानें

620. श्रीमती ज्योति धुर्वे:
श्री नारणभाई काछड़िया:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कार्यरत यूरेनियम खानों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है और खानों से औसत वार्षिक यूरेनियम उत्पादन और तत्संबंधी गुणवत्ता का ब्यौरा क्या है;

(ख) परमाणु खनिज महानिदेशालय द्वारा खोज की गई नई यूरेनियम और थोरियम खानों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) इन सभी नई यूरेनियम और थोरियम की खानों से राज्य-वार कितने औसत वार्षिक उत्पादन की संभावना है; और

(घ) वर्ष 2010-11, 2011-12, 2012-13 के दौरान यूरेनियम और थोरियम खानों के उत्खनन के लिए कितनी निधियां जारी की गई है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हाँ। परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 की धारा 3 के अनुसरण में, केवल केन्द्र सरकार अथवा उसके द्वारा स्थापित कोई निगम अथवा कोई सरकारी कंपनी, विहित पदार्थ का उत्पादन करने, उसे विकसित करने, उसका उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। चूंकि यूरेनियम एक विहित पदार्थ है, इसलिए यूरेनियम के खनन और संसाधन का प्राधिकार केवल परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के अंतर्गत सरकारी क्षेत्र के एक उपक्रम यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) को दिया गया है। वर्तमान में, यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड भारत में निम्निलिखित यूरेनियम खानों का प्रचालन कर रहा है:

खान	राज्य
जादुगुडा	झारखंड
भाटिन	झारखंड
नरवापहाड़	झारखंड
तुरूमडीह	झारखंड
बागजाता	झारखंड
बंदुहुरंग	झारखंड
मोहुलडीह	झारखंड

इन खानों से उत्पादित होने वाले यूरेनियम की मात्रा के बारे में बताना जन-हित में नहीं है।

(ख) यूरेनियम का वाणिज्यिक रूप से उत्पादन करने के लिए परिकल्पित परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

i तुम्मलापल्ली, कडप्पा जिला, आंध्र प्रदेश स्थित यूरेनियम खान।
ii लम्बापुर, नालगौंडा जिला, आंध्र प्रदेश स्थित लंबापुर यूरेनियम परियोजना।
iii गोगी, गुलबर्गा जिला, कर्नाटक स्थित यूरेनियम खान।
iv पश्चिमी खासी हिल्स जिला, मेघालय में किलेंग पेंगडेंगसोहियांग मावथाबाह (केपीएम) परियोजना।

परमाणु खनिज अन्वेषण तथा अनुसंधान निदेशालय (एएमडी), जोकि परमाणु ऊर्जा विभाग का एक संघटक यूनिट है ने, ओडिशा, आंध्र प्रदेश , तमिलनाडु और केरल के तटवर्ती क्षेत्रों के साथ-साथ मोनाजाइट खनिज युक्त पुलिन बालू खनिज निक्षेपों का पता लगाया है। परमाणु खनिज अन्वेषण तथा अनुसंधान निदेशालय द्वारा पता लगाए गए *स्वस्थाने* मोनाजाइट संसाधनों का राज्य-वार ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	मोनाजाइट (मिलियन टन में)
ओडिशा	2.41
आंध्र प्रदेश	3.72
तमिलनाडु	2.46
केरल	1.90
पश्चिम बंगाल	1.22
झारखंड	0.22
कुल	11.93

इंडियर रेअर अर्थ्स लिमिटेड (आईआरईएल), जोकि परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत सरकारी क्षेत्र का एक उपक्रम है, चवरा, केरल; मानवलाकुरिचि, तमिलनाडु और ओडिशा सैंड काम्प्लेक्स, ओडिशा में अवस्थित अपने खनन और खनिज पृथक्करण संयंत्रों से थोरियम युक्त एक खनिज, मोनाजाइट का उत्पादन कर रहा है। भारत में उत्पादित होने वाले मोनाज़ाइट में थोरियम ऑक्साइड की औसतन लगभग 9 से 10 प्रतिशत मात्रा पाई जाती है।

(ग) यूरेनियम के उत्पादन की मात्रा के बारे में बताना जन-हित में नहीं है।

(घ) अन्वेषण संबंधी कार्य के लिए जारी की गई धनराशि का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वर्ष	करोड़ रूपए में
2010-11	115.52
2011-12	129.70
2012-13	65.20

****